

21/5/24 - काशी में है। वही वही
इसका वही ही ओर कोई ठप
नहीं है। लकी गार, काफ़ी ही
गई। वही को बार-बार काफ़ी
जगवाई गई। काकजूड़ कावाज
है वही कोई इपस्थित नहीं आया
है। इससे प्रतीत होता है कि
वही अपने वाद में प्रती इपस्थित
है तथा वाद को चलाना नहीं
चाहता। अतः चाफ़ा इकी शहर
स्वार्थित विषय जाना उचित प्रतीत
होता है। अतः वही का वादका इकी
शहर पर कस्तीकार कर स्वार्थित
विषय जाना ही फ़ावली प्रसव -
मुफ़्त होकर नम्बर से कम हो।
इपस्थित होकर ही

सहायक कमिश्नर
बालसोत जिला-दीक्ष (राज)